www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

विषय–बहीखाता एवं लेखाकर्म Set-B

निर्देश : (i) सभी प्रश्नों को हल कीजिए।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 में दो खण्ड हैं। खण्ड (अ) बहुविकल्पीय प्रश्न तथा खण्ड (ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 9 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आबंटित हैं। (उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 30 शब्द)

(iv) प्रश्न क्रमांक 10 से 15 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 3 अंक आबंटित हैं। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 50 शब्द)

(v) प्रश्न क्रमांक 16 से 21 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आबंटित हैं। (सैद्धांतिक उत्तर की अधिकतम शब्द–सीमा 75 शब्द)

(vi) प्रश्न क्रमांक 22 से 25 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में एक आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आबंटित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 26 एवं 27 दीर्घउत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प है। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आबंटित हैं।

1. **(खण्ड-अ)** सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(i) स्थायी संपत्तियों की माँग एवं पूर्ति में कमी या वृद्धि के कारण इनके बाजार मूल्य में होने वाले परिवर्तन को कहा जाता है :

(अ) मूल्यह्रास (ब) उच्चावचन
(स) अप्रचलन (द) इनमें से कोई नहीं

(ii) संपत्ति का ह्रास व्यवसाय के लिए होता है :

(अ) व्यय (ब) हानि
(स) आय (द) लाभ

(iii) रोकड़ बही का सारांश है :

(अ) आय-व्यय खाता (ब) आर्थिक चिट्ठा
(स) प्राप्ति-भुगतान खाता (द) इनमें से कोई नहीं

(iv) साझेदारी संलेख के अभाव में पूँजी पर ब्याज निम्न दर से दिया जाता है :

(अ) 12% वार्षिक (ब) 10% वार्षिक
(स) 6% वार्षिक (द) इनमें से कोई नहीं

(v) अंशों का आबंटन रद्द कर प्राप्त राशि को जब्त करना कहलाता है :

(अ) अंशों का हरण (ब) अंशों का निर्गमन
(स) अंशों का समर्पण (द) अंशों का पुनर्निर्गमन

1. **खण्ड (ब)** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) .... पद्धति में ह्रास की राशि एक समान रहती है।

(ii) आय-व्यय खाते में केवल .... मदें ही लिखी जाती हैं।

(iii) ख्याति पर अन्य संपत्तियों की भाँति .... की गणना नहीं की जाती है।

(iv) .... अंशों पर लाभांश की निश्चित दर देय होती है।

(v) वह व्यक्ति, फर्म या कंपनी, जो कंपनी के कतिपय अंशों एवं ऋणपत्रों को क्रय करने का आश्वासन देती है, उसे .... कहते हैं।

2. प्रेषण स्कन्ध का अर्थ लिखिए।

3. प्रेषण पर भेजे गए माल का बीजक मूल्य 30,000 रु. है। यह लागत मूल्य से 25% अधिक है। लागत मूल्य ज्ञात कीजिए।

4. प्राप्ति एवं भुगतान खाता तथा रोकड़ खाता में कोई दो अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. एक प्रेषक ने 1000 किग्रा. तेल 12 रु. 50 पैसे प्रति किलो की दर से अपने एजेण्ट को प्रेषण पर भेजा एवं रेल भाड़ा आदि के 1,000 रु. चुकाए। मार्ग में 40 किलो तेल रिस जाने से नष्ट हो गया। प्रेषणी ने 120 रु. ऑक्ट्राय आदि चुकाकर माल ले लिया। उसने 800 किलो तेल बेचा जिस पर 400 रु. बिक्री व्यय हुए। यदि तेल का बहकर नष्ट होना सामान्य हानि हो, तो प्रेषण स्कन्ध का मूल्य ज्ञात कीजिए।

6. गैर-व्यापारिक संस्थाओं से क्या आशय है ?

7. किसी नये साझेदार को प्रवेश देने की आवश्यकता के कोई दो कारण समझाइए।

8. संयुक्त उद्यम व्यवसाय की कोई दो आवश्यकताएँ लिखिए।

9. ऋणपत्रों के निर्गमन से कंपनी को मिलने वाले किन्हीं दो लाभों का वर्णन कीजिए।

10. मूल्यह्रास की राशि निश्चित करते समय ध्यान रखने योग्य कोई तीन बातें लिखिए।

11. अजय और अमर साझेदार हैं, जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ एवं हानि का विभाजन करते हैं। वे अखिलेश को साझेदारी के लाभ में 1/6 भाग के लिए प्रवेश देते हैं जो ख्याति के लिए 18,000 रु. नगद लाता है। यदि अखिलेश अपना भाग केवल अजय से ही प्राप्त करता हो, तो ख्याति की लेखा करने के लिए आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

12. संचय और आयोजन में कोई तीन अंतर स्पष्ट कीजिए।

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

13. निम्नलिखित सूचना से श्री आजाद क्लब, रायपुर का 31 दिसम्बर, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता तैयार कीजिए :

बैंक शेष	:	1-1-2012	6,000 रु.
सदस्यता शुल्क	:	2012	42,500 रु.
		2013	500 रु.

वेतन—1000 रु. प्रतिमाह की दर से नवम्बर, 2012 तक का दिया गया है। किराया—1200 रु. प्रमिमाह की दर से मार्च, 2013 तक का दिया गया है। फर्नीचर— 8000 रु. अग्रिम दिया गया, परन्तु वर्ष के अंत तक केवल 2000 रु. मूल्य का ही फर्नीचर प्राप्त हुआ। सामान्य व्यय—3000 रु. जिसमें से 500 रु. देने बाकी रह गए। विनियोग—6,000 रु. के 5% सरकारी ऋणपत्र खरीदे गये।

14. एक कंपनी ने 10 रु. वाले 2500 समता अंश, 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये। सम्पूर्ण राशि आवेदन के साथ एकमुश्त प्राप्त हो गयी। कंपनी के खाते में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

15. एक लिमिटेड कंपनी में अशोक के 10 रु. वाले 300 अंश हैं जो 10% बट्टे पर निर्गमित किए गये थे। उसने आवेदन पर 2 रु. प्रति अंश की राशि चुका दी, किन्तु आबंटन राशि 3 रु. प्रति अंश तथा याचना राशि 2 रु. प्रति अंश की दर से नहीं चुकाई। अत: उसके अंश जब्त कर लिये गए। अंशों के हरण के संबंध में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

16. प्रेषण और बिक्री में कोई **चार** अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सामान्य हानि एवं असामान्य हानि में अन्तर स्पष्ट कीजिए। (कोई **चार**)

17. रवि, सोम और मंगल 2:3:5 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हैं। उनका आर्थिक चिट्ठा 31 दिसम्बर, 2010 को निम्नांकित है :

दायित्व		राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
		रु.		रु.
सामान्य संचय		18,000	भवन	40,000
लेनदार		12,000	फर्नीचर	20,000
पूँजी :			देनदार	15,000
	रु.			
रवि	20,000		रोकड़	9,000
सोम	18,000			
मंगल	16,000	54,000		
		84,000		**84,000**

1 जनवरी, 2011 को मंगल अवकाश ग्रहण करता है। निम्नांकित को ध्यान में रखकर लाभ-हानि समायोजन खाता बनाइए :

(i) भवन एवं फर्नीचर में 5% वृद्धि।

(ii) देनदारों पर 10% अशोध्य ऋण संचय।

(iii) लेनदारों पर 5% कटौती।

(iv) वैधानिक व्यय 200 रु.।

अथवा

अमित और विनय एक फर्म के साझेदार हैं। वे 3 : 2 के अनुपात में लाभ-हानि बाँटते हैं। उन्होंने फर्म के विघटन का निर्णय लिया। 31 दिसम्बर, 2010 को फर्म का चिट्ठा इस प्रकार था :

दायित्व		राशि	सम्पत्ति	राशि
		रु.		रु.
लेनदार		11,450	स्टॉक	12,150
सामान्य संचय		2,500	मशीनरी	12,000
पूँजी :			भूमि	5,000
अमित	20,000		फर्नीचर	2,500
विनय	15,000	35,000	देनदार	14,800
			रोकड़	2,500
		48,950		**48,950**

सम्पत्तियों की वसूली निम्न प्रकार हुई : भूमि 5,360 रु., फर्नीचर 3,000 रु., स्टॉक 7,650 रु., देनदार 12,250 रु., मशीनरी 12,100 रु.।
लेनदारों को पूर्ण भुगतान में 11,000 रु. दिए गए। वसूली में 500 रु. खर्च हुए।
वसूली खाता बनाइए।

18. स्मरणात्मक संयुक्त उद्यम खाता का आशय स्पष्ट कीजिए। इस विधि में संयुक्त उद्यम की लाभ निर्धारण विधि को समझाइए।

अथवा

केवल एक सह-उद्यमी की बही में संयुक्त उद्यम का लेखा करने की विधि समझाइए।

19. एक कंपनी ने 1 जनवरी, 2008 को एक पुरानी मशीन 45,000 रु. में खरीदी तथा तुरंत ही उस पर 5,000 रु. मरम्मत एवं स्थापना पर खर्च किये। कंपनी ने यह मशीन 1 जुलाई, 2010 को 20,000 रु. में बेच दी। 10% वार्षिक दर से क्रमागत ह्रास पद्धति के अनुसार ह्रास का हिसाब करते हुए तीन वर्ष का मशीन खाता बनाइए।

अथवा

1 जनवरी, 1991 को एक फर्म ने 25,000 रु. मूल्य की एक मशीन खरीदी जिसका जीवन काल 10 वर्ष और अवशेष मूल्य 1,000 रु. है। 1 जुलाई, 1992 तथा 1 अप्रैल, 1993 को

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

क्रमशः 4,000 रु. (अवशेष मूल्य 200 रु.) तथा 2,000 रु. (अवशेष मूल्य 100 रु.) वाली मशीनों का क्रय कर वृद्धि की गई। दोनों मशीनों का जीवन काल 5 वर्ष है। स्थायी-किस्त पद्धति द्वारा 3 वर्ष का मशीन खाता बनाइए।

20. साझेदारों के बंद खातों के समायोजन से क्या आशय है ? पूँजी खातों में भूल सुधारों का समायोजन कब किया जाता है ? (कोई दो बिन्दु लिखिए)

अथवा

गुप्त ख्याति क्या है ? इसे किस तरह ज्ञात किया जाता है ?

21. वासु एवं शेखर एक संयुक्त उद्यम में शामिल हुए। उनका लाभ-हानि विभाजन अनुपात 3 : 2 है। वे संयुक्त उद्यम के लिए पृथक् बही-खाता नहीं रखते हैं। उनका विवरण निम्नानुसार है :

विवरण	वासु रु.	शेखर रु.
वस्तु का क्रय	85,000	65,000
क्रय पर व्यय	2,500	1,300
विक्रय से प्राप्ति	90,000	75,000
लिया गया स्टॉक	5,000	4,000

केवल वासु की बही में जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

अथवा

उपर्युक्त विवरण से वासु की बही में संयुक्त उद्यम खाता बनाइए।

22. X, Y और Z एक फर्म में साझेदार हैं, जो क्रमशः 2 : 1 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। उनकी पूँजी क्रमशः 20,000 रु., 12,000 रु. और 8,000 रु. है। साझेदारों को पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज दिया जाता है और आहरण पर 5% ब्याज लगाया जाता है। X को 250 रु. मासिक वेतन पाने का अधिकार है। Z बिक्री पर 1% कमीशन पाता है।
वर्ष 2013 में 15,000 रु. का लाभ हुआ तथा बिक्री 2,00,000 रु. की हुई। उनके आहरण क्रमशः 5,000 रु., 3,000 रु. और 6,000 रु. के हुए, जिन पर ब्याज क्रमशः 100 रु., 50 रु. और 250 रु. के हुए।
फर्म का लाभ-हानि नियोजन खाता बनाइए।

अथवा

एक फर्म में X, Y और Z बराबर के साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2010 को Y की मृत्यु हो गई। इस तिथि पर उसे 20,000 रु. देय थे। यह निर्णय लिया गया कि यह राशि 5,000 रु. की वार्षिकी द्वारा भुगतान की जायेगी। प्रथम भुगतान 1 जनवरी, 2011 को किया गया तथा प्रतिवर्ष अन्य भुगतान भी 1 जनवरी को किए गए। जिस उत्तराधिकारी Y की विधवा को यह राशि मिलनी थी 2 जनवरी, 2013 को उसकी मृत्यु हो गयी। अदत्त राशि पर 6% वार्षिक दर से ब्याज की गणना की जाती है।
वार्षिकी खाता बनाइए।

23. एक निर्माणी संस्था ने 1 जनवरी, 2010 को एक यंत्र स्थापित किया, जिसका कुल लागत मूल्य 20,000 रु. था। इसमें एक बॉयलर 5,000 रु. का शामिल था। संस्था में प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर को वार्षिक खाते बंद किये जाते हैं। 20% वार्षिक दर से ह्रासमान शेष विधि से अवक्षयण अपलिखित किया जाता है। दो वर्ष बाद 1 जुलाई, 2012 को उक्त बॉयलर में खराबी आने के कारण उसे उपयोग से हटा दिया गया, जिसकी बिक्री से 2,000 रु. प्राप्त हुए।
3 वर्षों का यंत्र लेखा प्रस्तुत कीजिए और यंत्र लेखे का शेष ज्ञात कीजिए।

अथवा

एक कंपनी ने 1 जनवरी, 2010 को एक मशीन 18,500 रु. में क्रय की और 1,500 रु. इसकी स्थापना में व्यय किये। 1 जुलाई, 2011 को एक दूसरी मशीन 10,000 रु. में खरीदी गई। 1 जनवरी, 2010 को क्रय की गयी मशीन 1 जुलाई, 2012 को 12,000 रु. में बेचकर एक नयी मशीन 15,000 रु. में खरीदी गई। प्रतिवर्ष 10% की दर से क्रमागत शेष पद्धति के अनुसार ह्रास काटा जाता है।
2010 से 2012 तक का मशीनरी खाता बनाइए।

24. सिन्हा और शुक्ला 1,00,000 रु. में एक स्कूल भवन को ठेका लेने के लिए संयुक्त उद्यम में प्रवेश करते हैं। वे अपने द्वारा किये गये व्ययों के संबंध मे निम्नांकित सूचनाएँ देते हैं :

विवरण	सिन्हा रु.	शुक्ला रु.
सामग्री	21,500	16,000
शिल्पकाल शुल्क	2,500	—
अनुज्ञा शुल्क	—	1,000
मजदूरी	25,000	20,000
यंत्र	—	10,000

ठेके के अंत में यंत्र का मूल्य 5,000 रु. आँका गया। इस मूल्य पर शुक्ला इसे लेने को राजी हो गया। सिन्हा के द्वारा ठेका मूल्य 1,00,000 रु. प्राप्त कर लिया गया। सिन्हा के बही-खाते में संयुक्त उद्यम खाता बनाइए।

अथवा

पुरानी रेलवे सामग्री का क्रय तथा विक्रय करने के उद्देश्य से अजय और दीपक ने एक संयुक्त उद्यम में प्रवेश किया। लाभ-हानि का विभाजन बराबर-बराबर करना था। क्रय की गई सामग्री की लागत 85,000 रु. थी जिसका भुगतान अजय ने किया। अजय ने 60,000 रु. के लिए दीपक पर दो महीने की अवधि का एक बिल लिखा। अजय के द्वारा बिल को 480 रु. की लागत पर बट्टाकृत किया गया। संयुक्त उद्यम से संबंधित निम्नलिखित लेन-देन थे :

a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com

(i) अजय ने 600 रु. गाड़ी भाड़ा, 1,000 रु. विक्रय पर कमीशन तथा 400 रु. यात्रा व्यय दिए।

(ii) दीपक ने 200 रु. यात्रा व्यय, 300 रु. विविध व्यय तथा 800 रु. बीमा के दिए।

(iii) अजय द्वारा की गई बिक्री 40,000 रु. तथा दीपक द्वारा की गई बिक्री 60,000 रु. थी।

(iv) 2,500 रु. तथा 3,750 रु. की लागत का माल (न बिके हुए माल का स्टॉक) क्रमशः अजय और दीपक ने रख लिये।

(v) बिल से संबंधित व्यय को संयुक्त उद्यम के विरुद्ध प्रभार माना जाना था।

स्मरणात्मक संयुक्त उद्यम खाता बनाइए।

25. पूजा चाय कंपनी, कोलकाता ने चाय की 50 पेटियाँ, जिनका मूल्य 40,000 रु. है, अपने रायपुर के एजेन्ट सपना टी स्टोर्स को प्रेषण पर भेजी। रास्ते में 5 पेटियाँ क्षतिग्रस्त हो गईं, जिसका दावा बीमा कंपनी ने स्वीकार कर लिया। प्रेषण द्वारा हानि होने के पूर्व प्रेषण पर 1,600 रु. एवं हानि के बाद 3,600 रु. एजेंट द्वारा व्यय किये गए। एजेंट ने 35 पेटियाँ 35,000 रु. में बेच दीं। उसे बिक्री पर 5% कमीशन मिला।

पूजा चाय कंपनी के बही-खाते में प्रेषण खाता बनाइए।

अथवा

बजरंग प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर ने गोपाल म्युजिक सेंटर, बीकानेर को 10 सेट सी.डी. लागत मूल्य 100 रु., बीजक मूल्य 130 रु. पर भेजे। प्रेषक ने 40 रु. खर्च किये। प्रेषणी को बीजक मूल्य पर 10% तथा बीजक मूल्य से ऊपर की राशि पर 25% कमीशन प्राप्त होगा। प्रेषणी ने ऑक्ट्रॉय के 10 रु. तथा विक्रय व्यय 33 रु. चुकाये। 9 सी.डी. की बिक्री हुई जिससे 137 रु. विक्रय राशि के मिले तथा बकाया रकम बैंक ड्राफ्ट द्वारा प्रेषक को भेज दी गई।

प्रेषक के बही-खाते में प्रेषण खाता बनाइए।

26. X लि. ने 10 रु. वाले 10000 अंश 1 रु. प्रति अंश बट्टे पर जनता को निर्गमित किये तथा राशि इस प्रकार माँगी—आवेदन पर 2 रु. प्रति अंश, आबंटन पर 3 रु. प्रति अंश तथा शेष याचना पर। मान लीजिए कि सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गईं।

कंपनी के बही-खाते में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

अथवा

सचिन लि. ने 100 रु. वाले 5000, 8% ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित किए। राशि इस प्रकार देय थी—आवेदन पर 30 रु., आबंटन पर 50 रु. और शेष याचना पर। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हो गईं। आबंटन के 50 रु. में बट्टा शामिल है।

कंपनी के जर्नल में इन लेन-देनों की प्रविष्टियाँ कीजिए।

27. शंकर क्लब के निम्नलिखित प्राप्ति-भुगतान खाते से 31 दिसम्बर, 2011 को समाप्त होने वाले वर्ष का आय-व्यय खाता तैयार कीजिए :

प्राप्तियाँ	राशि रु.	भुगतान	राशि रु.
रोकड़ शेष	5,500	सामान्य व्यय	2,280
चन्दा	4,500	वेतन	2,100
प्रवेश शुल्क	9,000	फर्नीचर	10,000
विनियोग पर ब्याज	1,200	किराया	1,120
विविध प्राप्ति	2,400	विनियोग	3,100
		हस्तगत रोकड़	4,000
	22,600		22,600

समायोजन :

(i) वार्षिक चंदे के 1,500 रु. बकाया हैं तथा 500 रु. आगामी वर्ष की अग्रिम राशि है।

(ii) फर्नीचर पर 300 रु. का ह्रास अपलिखित करना है।

(iii) विनियोग पर ब्याज के 500 रु. अप्राप्त हैं।

(iv) प्रवेश शुल्क का पूँजीयन करना है।

अथवा

31 दिसम्बर, 2010 को समाप्त वर्ष का जयश्री क्लब का प्राप्ति-भुगतान खाता निम्नलिखित है :

प्राप्तियाँ	राशि रु.	भुगतान	राशि रु.
शेष (1-1-2010)	300	किराया	5,000
चंदा :			
2009	200	लेखन सामग्री	3,068
2010	16,900	मजदूरी	5,330
2011	300	बिलियर्ड मेज	5,900
प्रवेश शुल्क	350	मरम्मत	806
लॉकर का किराया	500	ब्याज	1,500
राज्यपाल की पार्टी		शेष (31-12-10)	396
के लिए विशेष चंदा	3,450		
	22,000		22,000

लॉकर का किराया 60 रु. 2009 के लिए तथा 90 रु. वर्तमान वर्ष के लिए लेना शेष है। किराये में 300 रु. 2007 के हैं तथा 300 रु. अभी भी देना शेष है। लेखन सामग्री का व्यय 312 रु. 2009 के लिए तथा 364 रु. अभी भी बकाया है। 2010 के चन्दे 468 रु. तथा राज्यपाल की पार्टी के लिए विशेष चंदा 350 रु. अभी भी अप्राप्त है।

आय-व्यय खाता बनाइए।

www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com
a2zsubjects.com a2zsubjects.com
www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com www.a2zsubjects.com